**Title: Need to withdraw excise duty on readymade garments.**

**श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) :** सभापति महोदय, सरकार ने इस साल के बजट में रेडिमेड गारमेंट्स अर्थात् सिलेसिलाये वस्त्रों पर उत्पाद शुल्क लगा दिया है। इस कारण यह लघु उद्योग संकट में आ गया है। इस उद्योग में अधिकांशत: महिलायें कार्य करती हैं। यही नहीं, यदि इस उद्योग पर उत्पाद शुल्क लगाया गया तो उत्पादित माल अत्यधिक महंगा हो जायेगा। रेडिमेड गारमेंट्स उद्योग का अधिकांश उत्पादन निर्यात होता है तथा देश के लिये बहुमूल्य विदेशी मुद्रा अर्जित करता है। इस क्षेत्र में यदि हमारा माल महंगा हो जायेगा तो बांगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका का रेडिमेड गारमेंट्स का माल सस्ता हो जायेगा तथा विदेशी बाजार में हमारा माल प्रतिस्पर्द्धा नहीं कर पायेगा। जिससे न केवल इस उद्योग में लगे लाखों, कर्मचारी, विशेाकर महिलायें बेरोज़गार हो जायेंगी अपितु देश को विदेशी मुद्रा का भी नुकसान होगा।

अत: इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह स्थिति की गम्भीरता को समझे और रेडिमेड गारमेंट्स अर्थात् सिलेसिलाये वस्त्रों पर लगाये गये उत्पाद शुल्क को तुरंत समाप्त करे तथा इस उद्योग को उत्पाद शुल्क से मुक्त किया जाये।